

सर्ग लेख पुं. (तत्.) ब्रह्मांड या विश्व की रचना, प्रकृति, विस्तार आदि का अध्ययन करने वाला विज्ञान या शास्त्र।

सर्ग-संभूत वि. (तत्.) प्राकृतिक, दैवीय, जो मनुष्य-कृत न हो।

सर्ज पुं. (तत्.) 1. बड़ी जाति का शाल वृक्ष, अजकण वृक्ष 2. सलई का वृक्ष 3. धूना, राल 4. विजयशाल नामक वृक्ष 5. एक प्रकार का बढ़िया ऊनी कपड़ा।

सर्जक वि. (तत्.) 1. सर्जन करने वाला, चलाने वाला, सृष्टिकर्ता, स्रष्टा 2. शालवृक्ष 3. विजयशाल नामक वृक्ष 4. सलई का पेड़ 5. मठा डालकर फाड़ा हुआ दूध।

सर्जन पुं. (तत्.) 1. उत्पन्न करना या जन्म देना 2. छोड़ना, त्याग करना, फेंकना 3. निकालना 4. सेना का पिछला भाग 5. सरल का गोंद (अं.) पाश्चात्य चिकित्सा प्रणाली के अनुसार चीर-फाड़ आदि के द्वारा चिकित्सा करने वाला चिकित्सक, शल्य चिकित्सक।

सर्जनात्मक वि. (तत्.) 1. सृजन संबंधी 2. ऐसा साहित्य चिन्तन या लेखन जो बुद्धि और कल्पना के योग से हो जैसे- सर्जनात्मक साहित्य, विशेषकर कल्पना प्रसूत साहित्य, समाज के लिए उपयोगी साहित्य।

सर्जनी स्त्री. (तत्.) गुदा की वलियों (सिकुड़ने से बनने वाली रेखा) में से बीचवाली वली जिसके द्वारा पेट का मल और वायु बाहर निकलती है।

सर्जमणि पुं. (तत्.) 1. सेमल का गोंद, मोचरस 2. धूना, राल।

सर्जरी स्त्री. (अं.) 1. पाश्चात्य चिकित्सा प्रणाली के चीर-फाड़ के द्वारा किये जाने वाले उपचार की प्रक्रिया शल्य क्रिया, शल्य चिकित्सा, जर्राही 2. शल्य विज्ञान, शल्य शास्त्र। surgery

सर्जि स्त्री. (तत्.) सज्जी।

सर्जिका स्त्री. (तत्.) सज्जीखार, सर्जिक्षार।

सर्जित पुं. (तत्.) 1. जिसका सर्जन हुआ हो, सृष्ट 2. रचित, बनाया हुआ।

सर्जु पुं. (तत्.) 1. वणिक, व्यापारी 2. बिजली, विद्युत।

सर्जु पुं. (तत्.) 1. वणिक, व्यापारी 2. माला, हार 3. सरयू नदी।

सर्जेंट पुं. (अं.) पुलिस, सेना आदि के सिपाहियों का हवलदार, जमादार। sergeant

सर्द वि. (फा.) 1. सर्दी, शीत, कंपकपाने वाली ठंडक 2. ढीला, शिथिल 3. धीमा, मंद 4. सुस्त, काहिल 5. आवेग, उत्साह, प्रखरता आदि से रहित 6. नपुंसक, नामर्द 7. स्वाद रहित, फीका।

सर्दई वि. (फा.) ठंड, शीत वाला, सर्दी का।

सर्दखाना पुं. (फा.) 1. शीतागार, शीत भण्डार 2. प्राचीन समय में कस्बों और उप-नगरों में घनी छांह वाले वृक्षों के नीचे बनाये गये बड़े कमरे जहां यात्री या स्थानीय लोग गर्मी में आकर विश्राम कर सकें 3. वर्तमान समय में फलों, सब्जियों आदि को खराब होने से बचाने के लिए वातानुकूलित, शीतल गोदाम।

सर्दबाई स्त्री. (फा.) हाथियों में होने वाली एक बीमारी जिसमें उनके पैर जकड़ जाने से वह चल फिर नहीं पाते।

सर्दबाजारी स्त्री. (फा.) बाजार की मंदी, बाजार में माल होता है परंतु खरीददार कम होते हैं।

सर्द मिजाज वि. (फा.) 1. ऐसा व्यक्ति जिसमें आवेग, उमंग, प्रखरता आदि बातें सहसा न आती हो, उत्साहहीन, बुझदिल 2. जिसमें शील, संकोच आदि का अभाव हो 3. सूखे स्वभाव वाला, जिसमें आत्मीयता व गर्मजोशी न हो।

सर्प पुं. (तत्.) 1. रेंगते हुए चलने की क्रिया या भाव 2. सांप 3. ग्यारह रुद्रों में से एक रुद्र 4. एक प्राचीन म्लेच्छ जाति 5. नागकेसर 6. ज्योतिष में एक अशुभ योग।

सर्पकाल वि. (तत्.) जो सांपों का काल हो अर्थात् गरुड़ पक्षी, सर्पनाशक।